

महात्याग पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा त्याग 2. बहुत बड़ा दान 3. महादान।

महात्यागी वि. (तत्.) 1. बहुत त्यागशील 2. बड़ा दानी।

महात्रिफला पुं. (तत्.) 1. हरड़, बहेड़ा और आँवला का मिश्रण 2. त्रिफला।

महादंडधारी पुं. (तत्.) यमराज की एक उपाधि।

महादंडनायक पुं. (तत्.) (गुप्तकाल आदि में) प्रमुख न्यायाधीश।

महादंत पुं. (तत्.) 1. हाथी 2. हाथी दाँत।

महादशा स्त्री. (तत्.) ज्यो. जन्म कुंडली के फलादेश का काल निर्णय करने की अनेक पद्धतियों में से एक के अनुसार आने वाला (नवग्रहों में से) किसी एक ग्रह का भोग्यकाल, सभी ग्रहों का कुल भोग्यकाल 120 वर्ष का माना जाता है।

महादान पुं. (तत्.) 1. बड़ा दान 2. उन बड़े दानों में से प्रत्येक जिनका फल धर्मशास्त्रों में स्वर्ग-प्राप्ति कहा गया है 3. गजदान, कन्यादान, स्वर्ण की गौ का दान आदि 16 महादान स्मृतियों में कहे गए हैं 4. विद्यादान।

महादारु पुं. (तत्.) देवदारु वृक्ष।

महादेव पुं. (तत्.) भगवान शंकर, शिव।

महादेश पुं. (तत्.) क्षेत्रफल, आकार, जनसंख्या या शक्ति आदि की दृष्टि से बड़ा देश, बहुत बड़ा देश।

महाद्रुम पुं. (तत्.) 1. अश्वत्थ वृक्ष, पीपल का पेड़ 2. वटवृक्ष, बरगद का पेड़।

महाद्वार पुं. (तत्.) मंदिर या दुर्ग आदि का बाहरी और सबसे बड़ा द्वार।

महाद्वीप पुं. (तत्.) पृथ्वी का वह बड़ा भाग जिसमें कई देश हों टि. विश्व में 7 महाद्वीप हैं- एशिया, यूरोप, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, उत्तरी अमरीका, दक्षिणी अमरीका और अंटार्कटिका।

महाधन वि. (तत्.) 1. बहुमूल्य, कीमती 2. धनवान, धनी।

महाधमनी पुं. (तत्.) शरीर की वह सबसे बड़ी धमनी जो हृदय से शुद्ध रक्त को शरीर के विभिन्न भागों में छोटी-छोटी अन्य धमनियों से पहुँचाती है, बड़ी धमनी।

महाधिवक्ता पुं. (तत्.) वह सरकारी अधिकारी जो कार्यपालिका को कानूनी परामर्श प्रदान करता है तथा न्यायालय में सरकार का पक्ष प्रस्तुत करता है।

महाध्वर पुं. (तत्.) एक बड़ा यज्ञ, महायज्ञ, ऐसे यज्ञ की चर्चा दूर-दूर तक होती है।

महानक पुं. (तत्.) बहुत बड़ा नगाड़ा, विषय आयोजनों में प्रयुक्त, जिसकी आवाज दूर दूर तक जाती है।

महानगर पुं. (तत्.) बड़ा नगर जो जनसंख्या, उद्योग धंधों आदि के आधार पर विशाल हो। समीपवर्ती नगर भी इसके वैभव से संपन्न रहते हैं।

महानट पुं. (तत्.) नटराज शिव, महादेव जो सब से उत्तम नृत्य करता है।

महानता पुं. (तत्.) 1. बड़ाई, कृपालुता 2. विशालता।

महानद पुं. (तत्.) बड़ी नदी, असम राज्य में प्रवाहमान महान नदी ब्रह्म पुत्र।

महानल पुं. (तत्.) भयंकर अग्नि, बहुत बड़ी आग, जल्दी काबू न आने वाली आग।

महानवमी स्त्री. (तत्.) अश्विनी शुक्ल नवमी, शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि, दूर्गा पूजा की तिथि।

महानाटक पुं. (तत्.) दस अंको वाला नाटक जैसे- संस्कृत का 'हनुमन्नाटक' एक महानाटक है।

महानाराच पुं. (तत्.) काव्य. एक वर्णिक छंद जिसमें लघु और गुरु इच्छा अनुसार होते हैं, परंतु प्रत्येक चरण में वर्णों की संख्या समान रहनी चाहिए।

महानारायण पुं. (तत्.) विष्णु।

महानिद्रा स्त्री. (तत्.) वह निद्रा जिसका कोई अंत न हो, अंतिम निद्रा, मृत्यु।